Cambridge Assessment International Education

Cambridge International AS Level

HINDI LITERATURE **8675/04**

Paper 4 Texts **October/November 2025**

2 hours 30 minutes

7756283515

You must answer on the enclosed answer booklet.

You will need: Answer booklet (enclosed)

INSTRUCTIONS
- Answer **three** questions in total in **Hindi**, each on a different text:
  - Answer **at least one question** from Section 1.
  - Answer **at least one question** from Section 2.
  - Answer **one other question** from **either** Section 1 **or** Section 2.
- Follow the instructions on the front cover of the answer booklet. If you need additional answer paper, ask the invigilator for a continuation booklet.
- Dictionaries are **not** allowed.
- You may **not** take set texts into the examination.

INFORMATION
- The total mark for this paper is 75.
- Each question is worth 25 marks.

निर्देश
- कुल **तीन** प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में दें, प्रत्येक भिन्न-भिन्न विषय पर:
  - खंड 1 में से **कम से कम एक प्रश्न** का उत्तर दें।
  - खंड 2 में से **कम से कम एक प्रश्न** का उत्तर दें।
  - खंड 1 **या** 2 में से **एक और प्रश्न** का उत्तर दें।
- उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों का अनुसरण करें। यदि आपको अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका चाहिए तो निरीक्षक से माँग लें।
- शब्दकोश के प्रयोग की अनुमति **नहीं** है।
- आप परीक्षा में निर्धारित पाठ्य-पुस्तक **नहीं** ले जा सकते हैं।

सूचना
- इस परीक्षा के कुल अंक 75 हैं।
- प्रत्येक प्रश्न के 25 अंक हैं।

This document has **8** pages. Any blank pages are indicated.

NL 356397
© UCLES 2025

[Turn over

उत्तर-पुस्तिका के लिए निर्देश

काली या गहरी नीली स्याही वाली कलम का प्रयोग करें।

आप किसी भी आरेख या ग्राफ के लिए एचबी पेंसिल का उपयोग कर सकते हैं।

उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों का अनुसरण करें। निर्देश नीचे **हिन्दी** में भी दिए गए हैं।

यदि आपको अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका चाहिए तो निरीक्षक से माँग लें।

मिटने वाले पेन या करेक्शन्-फ़्लूइड का प्रयोग **न** करें।

किसी भी बारकोड पर **न** लिखें।

अपने उत्तर इस पुस्तिका में लिखें। पृष्ठ के दोनों भागों का प्रयोग करें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के बीच में दो रेखाएं रिक्त छोड़ दें।

जिस प्रश्न का आप उत्तर दे रहे हैं उसकी संख्या पहले हाशिये में लिखें।

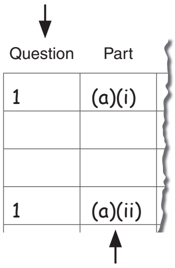

आप जिन प्रश्नों का उत्तर दे रहे हैं उनमें यदि भाग शामिल हैं, उदाहरण के लिए 1(ए), तो दूसरे हाशिये में प्रश्न का भाग लिखें।

इस उत्तर पुस्तिका में अपना सभी कच्चा काम पेन से करें। अपठनीय किए बिना ऐसा कुछ भी काट दें जिसे
आप **नहीं** चाहते हैं कि परीक्षक चिन्हित करे।

इस पुस्तिका के किसी भी भाग को **न** फाड़ें।

आप अपने सारे पेपर जमा कर दें। यदि आपने किसी अतिरिक्त पुस्तिका का उपयोग किया है, तो उसे इस पुस्तिका के अंदर डालें।

BLANK PAGE

© UCLES 2025

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य-पुस्तक से चुना जाना चाहिए। **भाग 1** से **एक** प्रश्न, **भाग 2** से **एक** प्रश्न करना अनिवार्य है और **तीसरा** प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है। अपने उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका पर **हिन्दी** में लिखें।

भाग 1

1 सूरसागर सार: सूरदास और श्री रामचरितमानस: तुलसीदास

प्रश्न **(a)** और **(b)** में से **केवल एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर **500** से **600** शब्दों के बीच होना चाहिए।

(a)

विनती सुनौ दीन की चित्त दै, कैसेँ तुव गुन गावै।
माया नटी लकुटी कर लीन्हेँ, कोटिक नाच नचावै।
दर-दर लोभ लागि लिए डोलति, नाना स्वाँग बनावै।
तुम सौँ कपट करावति प्रभु जू, मेरी बुधि भरमावै।
मन अभिलाष-तरंगनि करि करि, मिथ्या निसा जगावै।
सोवत सपने मैँ ज्यौ संपति, त्यौँ दिखाइ बौरावै।
महा मोहिनी मोहि आतमा, अपमारगहिं लगावै।
ज्यौँ दूती पर-बधू भोरि कै, ले पर-पुरुष दिखावै।
मेरे तो तुम पति, तुमहीँ गति, तुम समान को पावै?
सूरदास प्रभु तुम्हरी कृपा बिनु, को मो दुख बिसरावै ॥11॥

विनय तथा भक्ति

उपर्युक्त पद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। ‘सूरदास प्रभु तुम्हरी कृपा बिनु, को मो दुख बिसरावै’ में महाकवि सूरदास प्रभु से किस दुख को दूर करने की विनती कर रहे हैं? [25]

या

(b) बालकाण्ड में महाकवि तुलसीदास ने किसकी महिमा की प्रशस्ति की है? पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों के उदाहरण देकर अपने कथन की पुष्टि कीजिए। [25]

2 प्रसाद, निराला, महादेवी, पंत की श्रेष्ठ रचनाएँ

प्रश्न **(a)** और **(b)** में से **केवल एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर **500** से **600** शब्दों के बीच होना चाहिए।

(a) **गहन है यह अन्ध कारा**

गहन है यह अन्ध कारा;
स्वार्थ के अवगुंठनों से
हुआ है लुंठन हमारा।
खड़ी है दीवार जड़ की घेरकर,
बोलते हैं लोग ज्यों मुँह फेरकर
इस गगन में नहीं दिनकर;
नहीं शशधर, नहीं तारा।
कल्पना का ही अपार समुद्र यह,
गरजता है घेरकर तनु, रुद्र यह,
कुछ नहीं आता समझ में
कहाँ है श्यामल किनारा।
प्रिय मुझे वह चेतना दो देह की,
याद जिससे रहे वंचित गेह की,
खोजता फिरता न पाता हुआ,
मेरा हृदय हारा।
गहन है यह अन्धकारा

निराला

उपर्युक्त कविता की सप्रसंग व्याख्या करते हुए इसमें आई छायावाद की विशेषताओं पर उदाहरण सहित टिप्पणी कीजिए। [25]

या

(b) पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं के आधार पर महादेवी वर्मा की भाषा पर निबंध लिखिए। [25]

© UCLES 2025

3 साकेत; मैथिलीशरण गुप्त

प्रश्न (a) और (b) में से **<u>केवल एक प्रश्न</u>** का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर **500** से **600** शब्दों के बीच होना चाहिए।

(a)

किंतु वृथा, सीता बोलीं,
डर से नेंक नहीं डोलीं–
“नाथ! न कुछ होगा इससे,
क्या कहते हो तुम किससे?
समझो मुझको भिन्न न हा!
करो ऐक्य उच्छिन्न न हा!
तुमको दुख तो मुझको भी।
तुमको सुख तो मुझको भी,
सुख में आ आकर घेरूँ,
संकट में अब मुँह फेरूँ,
देखेगा तो कौन उसे?
मरना होगा मौन उसे।
जो गौरव लेकर स्वामी!
होते हो काननगामी,
उसमें अर्द्ध भाग मेरा,
करो न आज त्याग मेरा।
मातृ-सिद्धि, पितृ-सत्य सभी,
मुझे अर्द्धांगी बिना अभी–
हैं अर्द्धांग अधूरे ही,
सिद्ध करो तो पूरे ही।
सबके हित मैं वन में भी,
निर्जन, सघन गहन में भी,
सब व्रत- नियम निवाहूँगी,
सबका मंगल चाहूँगी।
सास-ससुर की स्नेह-लता–
बहन उर्मिला महाव्रता,
सिद्ध करेगी वही यहाँ,
जो मैं भी कर सकी कहाँ?

चतुर्थ सर्ग

उपर्युक्त काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या करते हुए सीता के कथन, ‘मुझे अर्द्धांगी बिना अभी–है अर्द्धांग अधूरे ही’ के महत्व पर प्रकाश डालिए। [25]

या

(b) महाकाव्य की परिभाषा की कसौटी पर ‘साकेत’ का मूल्यांकन कीजिए। [25]

© UCLES 2025

भाग 2

4 स्कंदगुप्त: जयशंकर प्रसाद

प्रश्न **(a)** और **(b)** में से **केवल एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर **500** से **600** शब्दों के बीच होना चाहिए।

(a) जयशंकर प्रसाद के 'स्कंदगुप्त' नाटक की नारी पात्र देवसेना और विजया किन विरोधी मानव मनोवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करती हैं? [25]

या

(b) 'स्कंदगुप्त' नाटक की कवित्वमयी भाषा और पात्रों के मनोभावों की गीतों द्‌वारा अभिव्यक्ति में जयशंकर प्रसाद के कवि हृदय का उत्कर्ष देखने को मिलता है। नाटक के संवादों और गीतों की भाषा पर निबंध लिखिए। [25]

5 आधुनिक कहानी संग्रह: संपादक सरोजिनी शर्मा

प्रश्न **(a)** और **(b)** में से **केवल एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर **500** से **600** शब्दों के बीच होना चाहिए।

(a) 'उसने कहा था' कहानी की कथावस्तु के आधार पर लहनासिंह का चरित्र चित्रण कीजिए। [25]

या

(b) 'पूस की रात' कहानी में प्रेमचंद ने किसान के जीवन की जिस समस्या का मनोवैज्ञानिक चित्रण किया है वह आज के युग में भी पहले जितनी ही सच है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? कथानक के संदर्भ सहित अपने विचार लिखिए। [25]

6 मॉरिशसीय हिंदी कहानियाँ: सम्पादक: अभिमन्यु अनत

प्रश्न **(a)** और **(b)** में से **केवल एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर **500** से **600** शब्दों के बीच होना चाहिए।

(a) 'कॅनफेशन' कहानी की कथावस्तु के विवरण सहित जाक्सन की माँ और पादरी के व्यवहार की तुलना करते हुए लेखक के उद्‌देश्य का स्पष्टीकरण कीजिए। [25]

या

(b) 'उसे लगता है कि हालाँकि वह सागर पार कर आया है फिर भी उसने अपनी ज़िंदगी में एक पग भी नहीं उठाया है।' 'फिसलन' कहानी में रिकेश के जीवन के विवरण द्‌वारा इस कथन का विश्लेषण कीजिए। [25]

© UCLES 2025

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge Assessment International Education Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cambridgeinternational.org after the live examination series.

Cambridge Assessment International Education is part of Cambridge Assessment. Cambridge Assessment is the brand name of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is a department of the University of Cambridge.